

हर्तव्य वि. (तत्.) हरण के योग्य या हरणीय।

हर्ता वि. (तत्.) 1. हरने या हरण करने वाला 2. जबरन छीनने वाला 3. लेकर जाने वाला।

हर्तार वि. (तत्.) हर्ता या हरने वाला।

हर्द स्त्री. (तद्.) दे. हलदी।

हर्दी स्त्री. (देश) दे. हलदी।

हर्निया पुं. (अं.) आयु. 1. आंतरिक अंगों के किसी भाग का उनको आवृत करने वाली संरचनाओं में से उभरकर आना 2. आंत उतरने का रोग या अंत्र वृद्धि रोग।

हर्पीज पुं. (अं.) एक त्वचा रोग जिसमें शरीर पर छोटे-छोटे दाने निकल आते हैं या परिसर्प।

हर्फ पुं. (अर.) अक्षर या वर्ण।

हर्बल वि. (अं.) 1. जड़ी बूटियों से संबंधित या जड़ी बूटियों का 2. शाक पात से संबंधित।

हर्बा पुं. (अर.) अस्त्र-शस्त्र, हथियार या हरबा।

हर्म्य पुं. (तत्.) 1. राजप्रसाद, राजभवन या राजमहल 2. कोई विशाल भवन या प्रासाद 3. हवेली 4. नरक।

हर्यक्ष वि. (तत्.) 1. भूरी-भूरी आँखों वाला पुं. 2. शिव या महादेव, सिंह या शेर 3. वानर या बंदर।

हर्यश्व पुं. (तत्.) 1. इंद्र का भूरे-रंग का घोड़ा 2. इंद्र 3. शिव या महादेव।

हर स्त्री. (तद्.) दे. हरीतकी।

हर्षा पुं. (तद्.) बड़ी जाति की हर, जिसका उपयोग त्रिफला में होता है और जो रँगई के काम में भी आती है, बड़ी हरड़।

हर्षाफ वि. (अर.) 1. बातूनी या बहुत बोलने वाली स्त्री 2. धूर्त या चालाक पुं. 3. बहुत बोलने वाला 4. धूर्त या चालाक व्यक्ति।

हर्षाफा स्त्री. (अर.) 1. बातूनी स्त्री 2. धूर्त या चालाक स्त्री।

हरैया स्त्री. (देश.) 1. हाथ में पहनने का एक गहना 2. माला या कंठ के दोनों छोरों पर का लिपटा दाना वि. हरण करने वाला।

हर्ष पुं. (तत्.) 1. प्रसन्नता, खुशी 2. रोंगटों का खड़ा होना या रोमांच।

हर्षक वि. (तत्.) हर्ष देने वाला, हर्षित करने वाला, प्रसन्नताकारक।

हर्षकर/हर्षकारक वि. (तत्.) हर्ष देने वाला/ प्रसन्नता कारक।

हर्षकोलक पुं. (तत्.) कामशास्त्र में एक प्रकार का आसन या रति बंध।

हर्षण वि. (तत्.) हर्ष उत्पन्न करने वाला, हर्षकारक पुं. कामदेव के 5 बाणों में से एक पुं. (तत्.) 2. हर्षित होने की क्रिया, अवस्था या भाव 3. रोमांच होना।

हर्षणीय वि. (तत्.) आनंदायक, हर्षपद, जिसमें हर्ष होता है।

हर्षधारिका स्त्री. (तत्.) संगीत में चौदह प्रकार की मुख्य तालों में से एक प्रकार की ताल।

हर्षन वि. (तद्.) हर्षण।

हर्षना अ.क्रि. (तत्.) हर्ष की वृद्धि होना, प्रसन्न होना।

हर्षमान वि. (तत्.) 1. हर्षयुक्त 2. प्रसन्न।

हर्षवर्धक वि. (तत्.) हर्ष को बढ़ाने वाला।

हर्षवर्धन पुं. (तत्.) हर्ष की वृद्धि वि. हर्ष को बढ़ाने वाला।

हर्ष विह्वल वि. (तत्.) आनंद विभोर, हर्षाकुल।

हर्षाकुल वि. (तत्.) हर्ष से आकुल, बहुत अधिक प्रसन्न, हर्ष-विभोर।

हर्षातिरेक/हर्षातिशय पुं. (तत्.) 1. हर्ष की अधिकता 2. हर्षोन्माद।

हर्षाना अ.क्रि. (देश.) हर्षित होना, प्रसन्न होना।

हर्षान्वित वि. (तत्.) हर्षयुक्त, प्रसन्न।

हर्षाविष्ट वि. (तत्.) हर्ष के आवेश से युक्त, बहुत खुश, हर्षपूर्ण, आनंदयुक्त।